रविवार 29 नवंबर, 2020

विषय — प्राचीन और आधुनिक काला जादू, उपनाम कृत्रिम निद्रावस्था और हाइपोहान

स्वर्ण पाठ: **प्रकाशित वाक्य 22 : 14, 15**

"धन्य वे हैं, जो अपने वस्त्र धो लेते हैं, क्योंकि उन्हें जीवन के पेड़ के पास आने का अधिकार मिलेगा, और वे फाटकों से हो कर नगर में प्रवेश करेंगे। पर कुत्ते, और टोन्हें, और व्यभिचारी, और हत्यारे और मूर्तिपूजक, और हर एक झूठ का चाहने वाला, और गढ़ने वाला बाहर रहेगा॥"

उत्तरदायी अध्ययन: यशायाह 14 : 3–7, 27

3 और जिस दिन यहोवा तुझे तेरे सन्ताप और घबराहट से, और उस कठिन श्रम से जो तुझ से लिया गया
विश्राम देगा,
4 उस दिन तू बाबुल के राजा पर ताना मार कर कहेगा कि परिश्रम कराने वाला कैसा नाश हो गया है,
सुनहले मन्दिरों से भरी नगरी कैसी नाश हो गई है!
5 यहोवा ने दुष्टों के सोंटे को और अन्याय से शासन करने वालों के लठ को तोड़ दिया है,
6 जिस से वे मनुष्यों को लगातार रोष से मारते रहते थे, और जाति जाति पर क्रोध से प्रभुता करते और
लगातार उनके पीछे पड़े रहते थे।
7 अब सारी पृथ्वी को विश्राम मिला है, वह चैन से है; लोग ऊंचे स्वर से गा उठे हैं।
27 क्योंकि सेनाओं के यहोवा ने युक्ति की है और कौन उसका टाल सकता है? उसका हाथ बढ़ाया गया है,
उसे कौन रोक सकता है?

पाठ उपदेश

बाइबल

1. लैव्यव्यवस्था 19 : 31

31 ओझाओं और भूत साधने वालों की ओर न फिरना, और ऐसों को खोज करके उनके कारण अशुद्ध न हो
जाना; मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

2. व्यवस्थाविवरण 18 : 9-15

9 ब तू उस देश में पहुंचे जो तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है, तब वहां की जातियों के अनुसार घिनौना काम
करने को न सीखना।
10 झ में कोई ऐसा न हो जो अपने बेटे वा बेटी को आग में होम करके चढ़ाने वाला, वा भावी कहने वाला, वा
शुभ अशुभ मुहूर्तों का मानने वाला, वा टोन्हा, वा तान्त्रिक,
11 वा बाजीगर, वा ओझों से पूछने वाला, वा भूत साधने वाला, वा भूतों का जगाने वाला हो।
12 क्योंकि जितने ऐसे ऐसे काम करते हैं वे सब यहोवा के सम्मुख घृणित हैं; और इन्हीं घृणित कामों के
कारण तेरा परमेश्वर यहोवा उन को तेरे साम्हने से निकालने पर है।
13 तू अपने परमेश्वर यहोवा के सम्मुख सिद्ध बना रहना।
14 वे जातियां जिनका अधिकारी तू होने पर है शुभ-अशुभ मुहूर्तों के मानने वालों और भावी कहने वालों की
सुना करती है; परन्तु तुझ को तेरे परमेश्वर यहोवा ने ऐसा करने नहीं दिया।
15 तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे मध्य से, अर्थात तेरे भाइयों में से मेरे समान एक नबी को उत्पन्न करेगा; तू उसी
की सुनना;

3. मत्ती 4 : 23

23 और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार
करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बल्ता को दूर करता रहा।

4. मत्ती 17 : 14-21

14 जब वे भीड़ के पास पहुंचे, तो एक मनुष्य उसके पास आया, और घुटने टेक कर कहने लगा।
15 हे प्रभु, मेरे पुत्र पर दया कर; क्योंकि उस को मिर्गी आती है: और वह बहुत दुख उठाता है; और बार
बार आग में और बार बार पानी में गिर पड़ता है।
16 और मैं उस को तेरे चेलों के पास लाया था, पर वे उसे अच्छा नहीं कर सके।
17 यीशु ने उत्तर दिया, कि हे अविश्वासी और हठीले लोगों मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूंगा? कब तक तुम्हारी
सहूंगा? उसे यहां मेरे पास लाओ।
18 तब यीशु ने उसे घुड़का, और दुष्टात्मा उस में से निकला; और लड़का उसी घड़ी अच्छा हो गया।
19 तब चेलों ने एकान्त में यीशु के पास आकर कहा; हम इसे क्यों नहीं निकाल सके?

20 उस ने उन से कहा, अपने विश्वास की घटी के कारण: क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूं, यदि तुम्हारा
विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो इस पहाड़ से कह स को गे, कि यहां से सरककर वहां चला
जा, तो वह चला जाएगा; और कोई बात तुम्हारे लिये अन्होनी न होगी।
21 जब वे गलील में थे, तो यीशु ने उन से कहा; मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथ में पकड़वाया जाएगा।

5. मरकुस 1 : 21-26

21 और वे कफरनहूम में आए, और वह तुरन्त सब्त के दिन सभा के घर में जाकर उपदेश करने लगा।
22 और लोग उसके उपदेश से चकित हुए; क्योंकि वह उन्हें शास्त्रियों की नाईं नहीं, परन्तु अधिकारी की
नाई उपदेश देता था।
23 और उसी समय, उन की सभा के घर में एक मनुष्य था, जिस में एक अशुद्ध आत्मा थी।
24 उस ने चिल्लाकर कहा, हे यीशु नासरी, हमें तुझ से क्या काम?क्या तू हमें नाश करने आया है? मैं तुझे
जानता हूं, तू कौन है? परमेश्वर का पवित्र जन!
25 यीशु ने उसे डांटकर कहा, चुप रह; और उस में से निकल जा।
26 तब अशुद्ध आत्मा उस को मरोड़कर, और बड़े शब्द से चिल्लाकर उस में से निकल गई।

6. प्रेरितों के काम 13 : 6-12

6 और उस सारे टापू में होते हुए, पाफुस तक पहुंचे: वहां उन्हें बार-यीशु नाम एक यहूदी टोन्हा और झूठा
भविष्यद्वक्ता मिला।
7 वह सिरिगयुस पौलुस सूबेदार के साथ था, जो बुद्धिमान पुरूष था: उस ने बरनबास और शाऊल को
अपने पास बुलाकर परमेश्वर का वचन सुनना चाहा।
8 परन्तु इलीमास टोन्हे ने, क्योंकि यही उसके नाम का अर्थ है उन का साम्हना करके, सूबेदार को विश्वास
करने से रोकना चाहा।
9 तब शाऊल ने जिस का नाम पौलुस भी है, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो उस की ओर टकटकी लगाकर
कहा।
10 हे सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए शैतान की सन्तान, सकल धर्म के बैरी, क्या तू प्रभु के सीधे
मार्गों को टेढ़ा करना न छोड़ेगा?
11 अब देख, प्रभु का हाथ तुझ पर लगा है; और तू कुछ समय तक अन्धा रहेगा और सूर्य को न देखेगा: तब
तुरन्त धुन्धलाई और अन्धेरा उस पर छा गया, और वह इधर उधर टटोलने लगा, ताकि कोई उसका हाथ
पकड़ के ले चले।
12 तब सूबेदार ने जो कुछ हुआ था, देखकर और प्रभु के उपदेश से चकित होकर विश्वास किया॥

7. गलातियों 5 : 13, 16, 18-23

13 हे भाइयों, तुम स्वतंत्र होने के लिये बुलाए गए हो परन्तु ऐसा न हो, कि यह स्वतंत्रता शारीरिक कामों के लिये अवसर बने, वरन प्रेम से एक दूसरे के दास बनो।
16 पर मैं कहता हूं, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।
18 और यदि तुम आत्मा के चलाए चलते हो तो व्यवस्था के आधीन न रहे।
19 शरीर के काम तो प्रगट हैं, अर्थात व्यभिचार, गन्दे काम, लुचपन।
20 मूर्ति पूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म।
21 डाह, मतवालापन, लीलाक्रीड़ा, और इन के जैसे और और काम हैं, इन के विषय में मैं तुम को पहिले से कह देता हूं जैसा पहिले कह भी चुका हूं, कि ऐसे ऐसे काम करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।
22 पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज,
23 और कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम हैं; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई भी व्यवस्था नहीं।

8. प्रकाशित वाक्य 22 : 12

12 देख, मैं शीघ्र आने वाला हूं; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिये प्रतिफल मेरे पास है।

9. प्रकाशित वाक्य 21 : 7

7 जो जय पाए, वही इन वस्तुओं का वारिस होगा; और मैं उसका परमेश्वर होऊंगा, और वह मेरा पुत्र होगा।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 17 : 2 (परमेश्वर)-3

ईश्वर सर्वशक्तिमान है, सर्वोच्च है।

2. 330: 11 (परमेश्वर)-15

ईश्वर अनंत है, एकमात्र जीवन, पदार्थ, आत्मा या आत्मा, ब्रह्मांड की एकमात्र बुद्धि, जिसमें मनुष्य भी शामिल है। आई हैथ ने न तो भगवान को देखा और न ही उनकी छवि और समानता को देखा। भौतिक इन्द्रियों से न तो ईश्वर और न ही पूर्ण मनुष्य का विवेचन किया जा सकता है।

3. 103: 18-23 (*से 1st.*)

जैसा कि क्राइस्टियन साइंस में नाम दिया गया है, पशु चुंबकत्व या हिप्नोटिज्म त्रुटि, या नश्वर मन के लिए विशिष्ट शब्द है। यह गलत धारणा है कि मन पदार्थ में है, और यह बुराई और अच्छा दोनों है; यह बुराई उतनी ही वास्तविक है जितनी अच्छी और अधिक शक्तिशाली। इस विश्वास में सत्य का एक गुण नहीं है।

4. 102: 1-8

पशु चुंबकत्व के पास कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है, क्योंकि भगवान सभी को नियंत्रित करता है जो वास्तविक, सामंजस्यपूर्ण और शाश्वत है, और उनकी शक्ति न तो पशु है और न ही मानव। विज्ञान पशु चुंबकत्व, मेस्मेरिज्म, या हिप्नोटिज्म में एक विश्वास और इस विश्वास जानवर होने का आधार एक नकारात्मकता है, जिसमें न तो बुद्धि, शक्ति, न ही वास्तविकता है, और इस अर्थ में यह तथाकथित नश्वर मन की एक अवास्तविक अवधारणा है।

5. 268 : 14-8

वर्चस्व के लिए इस अंतिम संघर्ष में, अर्ध-मेटाफिजिकल सिस्टम वैज्ञानिक तत्वमीमांसा को कोई पर्याप्त सहायता नहीं दे सकते हैं, क्योंकि उनके तर्क भौतिक इंद्रियों की झूठी गवाही के साथ-साथ मन के तथ्यों पर आधारित हैं। ये अर्ध-मेटाफिजिकल सिस्टम एक और सभी पैंथेस्टिक हैं, और पांडेमोनियम का स्वाद, एक घर जो खुद के खिलाफ विभाजित है।

माना जाता है कि मन और पदार्थ का सह-अस्तित्व और अच्छे और बुरे का मेल सांप के दर्शन से हुआ है। यीशु के प्रदर्शनों ने गेहूँ के ढेर को हिलाया और एकता और अच्छे, असत्य, कुछ भी नहीं, बुराई की वास्तविकता को उजागर किया।

6. 568 : 30-5

स्व-उन्मूलन क्रायश्चियन साइंस में एक नियम है, जिसके द्वारा त्रुटि के खिलाफ हमारे युद्ध में हम सच्चाई या मसीह के लिए सब कुछ छोड़ देते हैं। यह नियम स्पष्ट रूप से ईश्वर को ईश्वरीय सिद्धांत के रूप में व्याख्या करता है, - जीवन के रूप में, पिता द्वारा दर्शाया गया; सत्य के रूप में, पुत्र द्वारा प्रतिनिधित्व; प्यार से, माँ द्वारा प्रतिनिधित्व किया। किसी न किसी अवधि में, यहाँ या उसके बाद, प्रत्येक नश्वर को भगवान के विपरीत एक शक्ति में नश्वर विश्वास के साथ जूझना चाहिए।

7. 185 : 6-7, 16 (यह)-16 अगला पृष्ठ

स्वच्छता की कोई प्रणाली नहीं है, लेकिन क्रिश्चियन साइंस विशुद्ध रूप से मानसिक है। ... मिस्र के नेक्रोमांसर मूसा द्वारा गढ़े गए चमत्कार का अनुकरण करने के लिए प्रयास करते हैं। इस तरह के सिद्धांतों का क्रिश्चियन साइंस से कोई संबंध नहीं है, जो केवल जीवन, पदार्थ और बुद्धिमत्ता के रूप में भगवान के गर्भाधान पर टिकी हुई है, और चिकित्सा कार्य में एक आध्यात्मिक कारक के रूप में मानव मन को शामिल नहीं करता है।

यीशु ने बुराई को मिटा दिया और बीमारों को चंगा किया, न केवल दवाओं के बिना, बल्कि सम्मोहन के बिना, जो नैतिक और रोग-सत्य-शक्ति का उल्टा है।

बीमारों को लाभ पहुंचाने के लिए एक समय के लिए गलत मानसिक अभ्यास लग सकता है, लेकिन वसूली स्थायी नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि गलत तरीके मानव मस्तिष्क के भौतिक स्तर पर और उसके माध्यम से कार्य करते हैं, जिसे मस्तिष्क कहा जाता है, जो कि भौतिक मानसिकता और इसकी विरोधी गतिविधियों का एक नश्वर समेकन है।

नश्वर मन के प्रभाव में एक रोगी इस मन के उस पर प्रभाव को हटाने के द्वारा ही चंगा किया जाता है, उसकी इच्छा शक्ति की झूठी उत्तेजना और प्रतिक्रिया को खाली करके और उसे सत्य की दिव्य ऊर्जाओं से भरकर।

क्रिश्चियन साइंस आत्मा की समझ के माध्यम से भौतिक विश्वासों को नष्ट कर देता है, और इस कार्य की संपूर्णता स्वास्थ्य को निर्धारित करती है। मानव मन-बलों को मिटाकर जो भी नाम या ढोंग किया जाता है, उसके तहत केवल बुराई काम कर सकती है; आत्मा और सामग्री के लिए, अच्छाई और बुराई, प्रकाश और अंधेरा, घुलमिल नहीं सकते।

बुराई एक नकार है, क्योंकि यह सच्चाई की अनुपस्थिति है। यह कुछ भी नहीं है, क्योंकि यह किसी चीज की अनुपस्थिति है। यह असत्य है, क्योंकि यह ईश्वर की अनुपस्थिति, सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी का संरक्षण करता है। प्रत्येक नश्वर को यह सीखना चाहिए कि बुराई में न तो शक्ति है और न ही वास्तविकता।

8. 104 : 13-28

क्रिश्चियन साइंस मानसिक क्रिया के तह तक जाता है, और उस थोडीसी को प्रकट करता है, जो सभी दिव्य क्रियाओं के सही होने का संकेत देता है, जैसा कि ईश्वरीय मन की मुक्ति है, और इसके विपरीत तथाकथित गलत क्रिया के कारण, — बुराई, मनोगतवाद, काला जादू, मंत्रमुग्धता, पशु चुंबकत्व, सम्मोहन।

विज्ञान की दवा दिव्य मन है; और बेईमानी, कामुकता, झूठ, बदला, द्वेष, पशु प्रवृत्ति हैं और किसी भी तरह से मानसिक गुण जो बीमार को ठीक नहीं करते हैं। सम्मोहक व्यक्ति दूसरे को नष्ट करने के लिए एक त्रुटि नियोजित करता है। यदि वह एक विश्वास के माध्यम से बीमारी को ठीक करता है, और एक विश्वास मूल रूप से बीमारी का कारण बनता है, तो यह कम पर काबू पाने में अधिक त्रुटि का मामला है। इसके बाद यह बड़ी त्रुटि जमीन पर कब्जा कर लेती है, इससे पहले कि मजबूत त्रुटि को पकड़ लिया गया था, इससे भी बदतर मामले को छोड़कर।

9. 231 : 4-11

यदि परमेश्वर पाप, बीमारी, और मृत्यु को नष्ट नहीं करता है, तो वे नश्वर लोगों के दिमाग में नष्ट नहीं होते हैं, बल्कि इस तथाकथित मन को अमर लगते हैं। भगवान जो नहीं कर सकता, उसके लिए आदमी को प्रयास करने की जरूरत नहीं है। यदि परमेश्वर बीमारों को नहीं चंगा करता है, तो वे चंगे नहीं होते हैं, क्योंकि कोई भी कम शक्ति अनंत-शक्ति के बराबर नहीं होती है; लेकिन परमेश्वर, सत्य, जीवन, प्रेम, धर्मी की प्रार्थना के माध्यम से बीमारों को चंगा करता है।

10. 453 : 29-1

एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट की दवा मन है, ईश्वरीय सत्य है जो मनुष्य को स्वतंत्र बनाता है। एक ईसाई वैज्ञानिक कभी भी भौतिक स्वच्छता की सिफारिश नहीं करता है, कभी भी हेरफेर नहीं करता है। वह मन के अधिकारों पर अत्याचार नहीं करता है और न ही वह पशु चुंबकत्व या सम्मोहन का अभ्यास कर सकता है।

11. 375 : 11-20

क्रिश्चियन साइंटिस्ट दर्शाता है कि ईश्वरीय मन चंगा करता है, जबकि हिप्नोटिस्ट उसे नियंत्रित करने के लिए अपने व्यक्तित्व के रोगी को फैलाता है। किसी भी व्यक्ति को किसी भी मानसिक निरंकुशता या अन्याय से अपनी मानसिकता का लाभ उठाने से कोई लाभ नहीं होता है। सभी अवैज्ञानिक मानसिक अभ्यास त्रुटिपूर्ण और शक्तिहीन हैं, और इन्हें समझना चाहिए और इसलिए इन्हें निरर्थक माना जाना चाहिए। वास्तविक क्रिश्चियन साइंटिस्ट अपने मरीज की मानसिक और नैतिक शक्ति को जोड़ रहा है, और दिव्य प्रेम के माध्यम से उसे शारीरिक रूप से बहाल करते हुए अपने मरीज की आध्यात्मिकता को बढ़ा रहा है।

12. 102 : 30-2

मानव जाति को सीखना चाहिए कि बुराई शक्ति नहीं है। इसकी तथाकथित निरंकुशता है, लेकिन कुछ भी नहीं है। क्रिश्चियन साइंस बुराई के साम्राज्य को दूर करता है, और पूर्व में परिवारों में और इसलिए समुदाय में स्नेह और सदाचार को बढ़ावा देता है।

13. 228 : 25 ***केवल***

ईश्वर से अलग कोई शक्ति नहीं है।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6